B.Ed. 2nd year (18-20)

Paper - C.11 (c) By - Seema Kumari 13/06/20

(3) प्रतिभाशाली बालक (Gifted children) :-

इसके अंतर्गत ऐसे बालकों को रखा जाता है जो अपनी आयु वर्ग के बालकों में किसी योग्यता से अधिक हों तथा जो हमारे समाज के लिए कुछ महत्वपूर्ण नवीन योगदान दे। अर्थात प्रतिभाशाली बालक बुद्धि अथवा किसी अन्य योग्यता की दृष्टि से सामान्य बालकों से पृथक एवं विशेष होते हैं जिनकी बुद्धिलब्धि 140 से अधिक होती है।

अतः वह बालक जिनकी मानसिक आयु अपनी आयु वर्ग के अनुपात में औसत से बहुत अधिक हो अथवा विशिष्ट योग्यता में श्रेष्ठ हो उसे प्रतिभाशाली बालक कहा जाता है जैसे- संगीत, कला या किसी अन्य क्षेत्रों में।

* प्रतिभाशाली बालकों की परिभाषाएँ :-

* **अब्दुल रऊफ के अनुसार :-** "प्रायः उच्च बुद्धि-लब्धि को प्रतिभाशाली होने का संकेत माना जाता है। अतः प्रतिभाशाली बालक शब्द का अभिप्राय बालक की उच्च बुद्धि-लब्धि से किया जाता है।"

* **टरमन के अनुसार :-** "अध्ययन किये गये प्रतिभाशाली बालक शारीरिक विकास, शैक्षिक उपलब्धि, बुद्धि और व्यक्तित्व में श्रेष्ठ थे।"

* **कालसनिक के अनुसार –:** "वह प्रत्येक बा.... जो अपने आयु-स्तर के बच्चों में किसी योग्यता में अधिक हो और जो हमारे समाज के लिए कुछ महत्वपूर्ण नया योगदा... कर सकें।"

* **प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताएँ –:**

→ (1) शारीरिक विशेषताएँ।
→ (2) संवेगात्मक विशेषताएँ।
→ (3) सामाजिक विशेषताएँ।
→ (4) लिंग विशेषताएँ।
→ (5) शैक्षिक उपलब्धि।
→ (6) सहगामी क्रियाएँ।
→ (7) व्यक्तिगत विशेषताएँ।
→ (8) सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
→ (9) बौद्धिक योग्यताएँ।
→ (10) निषेधात्मक विशेषताएँ।

* **प्रतिभाशाली बालकों की समस्यायें –:**

- (1) परिवार में समायोजन।
- (2) विद्यालय में समायोजन।
- (3) कार्य करने की गति।
- (4) समाज में समायोजन।
- (5) आत्मसम्मान की प्रवृति।
- (6) लापरवाही, ध्यान न देना और आलसी।
- (7) उत्तम बुद्धि का गलत प्रयोग
- (8) समूहों में शामिल होना।
- (9) अध्यापन विधियाँ
- (10) विद्यालय विषयों और व्यवसायों के चयन की समस्या।

प्रतिभाशाली बालकों की पहचान :-

- (1) बुद्धि परीक्षायें।
- (2) प्रवणता परीक्षण।
- (3) सम्बंधित व्यक्तियों से सूचनाएँ
- (4) निष्पत्ति परीक्षण
- (5) बालकों के गुणों के आधार पर

Scanned with CamScanner

* प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा :-

- (1) अवसरों की समानता।
- (2) तीव्र प्रोन्नति नहीं।
- (3) पाठ्यक्रम को समृद्ध।
- (4) असामाजिक आदतों पर
- (5) सर्वांगीण विकास पर बल।
- (6) प्रतिभाशाली बालक पर विशेष ध्यान देना।

* प्रतिभाशाली बालकों के लिए निर्देशन एवं परामर्श :-

प्रतिभाशाली बालकों में परस्पर ही अनेक प्रकार की विभिन्नता होती है, अतः इन बालकों की भी समस्यायें विभिन्न प्रकार की होती हैं। इन्हीं समस्याओं के कारण इनमें भी आवेगम एवं कुसमायोजन की समस्यायें उत्पन्न हो जाती हैं। इन बालकों में योग्यता एवं प्रति प्रगति का संतुलन नहीं बन पाता इसकारण कभी-कभी इनमें अहंम की भावना का विकास

Page No. ________
Date ________

होने लगता है। परिवार समाज एवं विद्यालय में समायोजित नहीं हो पाते अतः इन्हें अत्यधिक प्रोत्साहन, स्नेह एवं सहानुभूति न मिलने के कारण कभी-कभी गलत समूहों में सम्मिलित हो जाते हैं तथा अपनी प्रतिभा को नष्ट कर देते हैं।

इस कारण ऐसे बालकों की प्रतिभा बनाये रखने तथा उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विद्यालय, परिवार तथा समाज द्वारा उचित निर्देशन प्राप्त कर उनमें योग्यता एवं ~~प्रकृ~~ प्रगति का विकास करना चाहिए जिससे वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।